



Government of Jharkhand

Receipt of Online Payment of Stamp Duty

NON JUDICIAL

Receipt Number : 49a0aa391a5bb4bcfed3

Receipt Date : 08-Dec-2020 01:26:30 pm

Receipt Amount : 100/-

Amount in Words : One Hundred Rupees Only

Document Type : Agreement or Memorandum of an Agreement

District Name : Bokaro

Stamp Duty Paid By : Sanjeev Kumar

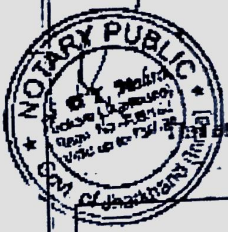
Purpose of stamp duty paid : partnership

First Party Name : Shankranil Kumar

Second Party Name : Sanjeev Kumar

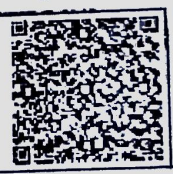
GRN Number : 2003107022

Shankranil Kumar
Sanjeev - Kumar



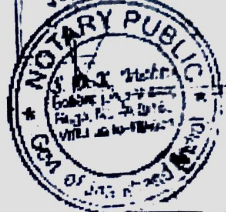
This stamp paper can be verified in the Jharkhandstamps.gov.in site through receipt number

B.D.B.A. No. 26/21
SL. No. 1943
Date 9/12/20



This Receipt is to be used as proof of payment of stamp duty only for one document. The use of the same receipt as proof of payment of stamp duty in another document through reprint, photo copy or other means is penal offence under section-62 of Indian Stamp Act, 1899

इस रसीद का उपयोग केवल एक ही दस्तावेज पर मुद्राक शुल्क का भुगतान के प्रमाण हेतु ही किया जा सकता है। एक ही रसीद का अथवा एक ही रसीद का प्रयोग दूसरे दस्तावेज पर मुद्राक शुल्क का भुगतान के प्रमाण हेतु उपयोग करना भारतीय मुद्राक अधिनियम, 1899 की धारा 62 अन्वयेण दण्डनीय अपराध है।



साझेदारी विलेख (Deed of Partnership)

यह साझेदारी विलेख आज दिनांक 06.12.2020 को निम्नलिखित पक्षों के मध्य बनाया जा रहा है जिसमें :-

1. संक्रात कुमार, पिता-स्व० दिलिप प्रसाद वर्णवाल, पता-सदर बाजार, मेन रोड, चास, पो० व थाना - चास, जिला-बोकारो, झारखण्ड । आधार सं०-6914 7319 7200 एवं पेन नं०- BYUPK9479G ।

.....प्रथम साझेदार

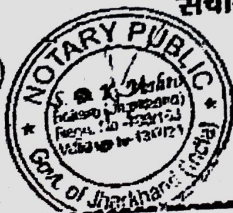
2. संजीव कुमार, पिता-श्रवण साव, पता-चदुवंश नगर, चास, पो० व थाना-चास, जिला-बोकारो, झारखण्ड । आधार संख्या- 8021 1083 6666 एवं पेन नं० - ALMPK3108J

.....द्वितीय साझेदार

यह कि दोनो साझेदारों ने मिलकर आपस में मेसर्स सगुन इनक्लेव (M/s Sagun Enclave) नामक फर्म जिसका GST No. 20AEHFS8381P1ZE Udyog, Aadhar No. UDYAM-JH-01-0007555 है, में कार्य करने हेतु निम्न शर्ता पर यह साझेदारी विलेख बना रहे है ।

1. यह कि, उक्त फर्म का प्रधान कार्यालय तेलीडीह रोड, चास, थाना-चास, जिला-बोकारो है । कार्यालय को दोनो पक्षों की सहमति से कभी भी कहीं भी स्थानांतरित किया जा सकेगा ।
2. यह कि, प्रथम साझेदार इस साझेदारी फर्म के लागत में लगने वाला सारा पूँजी लगाएगा तथा दोनो साझेदार उक्त फर्म का देख-माल, संचालन, प्रबंधन आदि करेंगे ।

Page 1 of 4



Signature

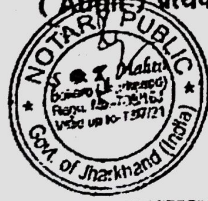
Sangeev Kumar

Shankar Kumar

11211

3. यह कि, मीजा बापगोड़ा , थाना संख्या- 35 के अन्तर्गत खाता संख्या -19, प्लॉट संख्या-1063 , 1064 में से कुल रकवा - 110 x 220 = 24200 वर्ग फीट डिसमिल जमीन, जो खतियान से प्राप्त सम्पत्ति है ।
4. यह कि, उक्त साझेदारी के व्यवसाय में होने वाली लाम अथवा हानि को दोनो पक्षों में निम्न प्रकार से बंटावारा किया जायेगा ।
- | | |
|------------------|-----|
| प्रथम साझेदार -- | 50% |
| द्वितीय साझेदार- | 50% |
5. यह कि, इस साझेदारी अनुबंध के अर्धीन फर्म के साख (Goodwill) पर दोनो साझेदार का समान अधिकार होगा ।
6. यह कि, फर्म के प्रत्येक सदस्य अपनी पूरी निष्ठा से फर्म के हित में कार्य करेंगे जिससे कि फर्म को ज्यादा से ज्यादा मुनाफा मिल सके ।
7. यह कि, प्रत्येक साझेदार उक्त फर्म में राजी-खुशी से बिना किसी दबाव के सम्मिलित हुए है ।
8. यह कि, फर्म के कोई भी सदस्य बिना अन्य साझेदारों की सहमति वगैर फर्म को बिक्री, उसका हिस्सा की बिक्री या बिक्री का अनुबंध, हस्तांतरण , गिरवी या बंधक नहीं करेगा और दोनो साझेदार अपने हिस्से के आवेदार होंगे न कि किसी अन्य के भाग / हिस्से का ।
9. यह कि, दोनो साझेदार का यह दायित्व होगा कि फर्म की बही खाते, माउचर, प्रतिभूति आदि सही एवं सुरक्षित रखे एवं किसी साझेदार या उसके द्वारा नियुक्त व्यक्ति के द्वारा मांगे जाने पर उसे दिखाएं और उसकी छाया प्रति दें । जो दोनों साझेदारों का समान अधिकार है ।
10. यह कि, दोनो पक्षकार इस बात पर भी सहमत हुये कि फर्म का अंकेक्षण

(Audit) प्रत्येक तीन महिनें में कराया जायेगा ।



Shashank Kumar

Page 2 of 4

Sangsev Kumar

Shashank Kumar

11. यह कि, यदि दोनों साझेदारों के बीच किसी तरह का विवाद आने पर दोनों पक्ष आपसी सहमति से इसका निपटारा करेंगे तथा आपस में निपटारा न होने पर एक मध्यस्थ की बहाली कर विवाद का निपटारा करेंगे ।
12. यह कि, फर्म के किसी साझेदार की मृत्यु या पागल होने या फर्म से रिटायर्ड होने पर उसके उत्तराधिकार, वंशज, उसके वैध साझेदार माने जाएंगे और उनपर भी इस अनुबंध के सभी शर्त समान रूप से लागू होंगे ।
13. यह कि, यदि कोई व्यक्ति या फर्म के साझेदार के रिश्तेदार इस फर्म के सदस्य के रूप में प्रवेश करना चाहे तो इस अनुबंध के सारे शर्तों को स्वीकार करते हुए फर्म के सभी सदस्यों की रजामंदी से फर्म का सदस्यता ग्रहण कर सकता है ।
14. यह कि, इस अनुबंध के किसी शर्त में कुछ फेर-बदल उमय सदस्यों की रजामंदी से किया जा सकता है ।
15. यह कि, भविष्य में इस अनुबंध के किसी शर्तों को लेकर दोनों सदस्यों के बीच यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है तो उसे आपसी सहमति से या Arbitration अधिनियम 1996 के अन्तर्गत सुलझाया जायेगा और यदि उसके बावजूद भी मामला नहीं सुलझा तो फर्म का सदस्य न्यायालय का सहारा ले सकते हैं ।



S. K. Mishra

Sangeet Kumar

Shankar Kumar

